सङ्घीय प्रणाली

नेपाल मे सहभागितामूलक संविधान निर्माण
पोष्टा शृङ्खला
२

संवैधानिक संवाद केन्द्र
CENTRE FOR CONSTITUTIONAL DIALOGUE

संवैधानिक संवाद केन्द्र

प्रकाशक

संवैधानिक संवाद केन्द्र
पहिला संस्करण : २०६५ साल
प्रतिलिपि अधिकार © संवैधानिक केन्द्र सर्वाधिकार सुरक्षित बा । सामग्रीके स्रोतके रुपमे संवैधानिक संवाद केन्द्रहे साभार व्यक्त कैके गैरब्यावसायिक प्रायोजनके लग यी पोष्टाके अंश फेन प्रकाशन ओ/वा उल्था करे सेक्जाई । उ फेन प्रकाशन ओ/वा उल्था कैलक एकप्रति संवैधानिक संवाद केन्द्रहे उपलब्ध कराईकपरी ।

साजसज्जा ओ मुद्रण

प्रिन्ट प्वाइन्ट पब्लिसिङ, त्रिपुरेश्वर, काठमाण्डौ ।

थप जानकारी वा यी पोष्टाके लग तरक ठेगानामे सम्पर्क कैबी

संवैधानिक केन्द्र
तेस्रा तल्ला, अल्फा बेटा कम्प्लेक्स, नयाँ बानेश्वर, काठमाण्डौं
टेलिफोन नं. ९७७-१-४७८५४६६/४७८५४८६/४७८५९९८
ई-मेल : info@ccd.org.np
वेबसाइट : www.ccd.org.np

सङ्घीय प्रणाली

श्रृंखला - २

सङ्घीय प्रणाली १
परिचय १
सहकार्यके महत्व २
विवाद समाधान ३
सङ्घीय राज्यके राजनैतिक अर्थतन्त्र ३
सङ्घीय प्रणालीके स्थापना ४
नेपालमे सङ्घीयता ५
आधारभूत संवैधानिक विकल्प ६

सङ्घीय प्रणाली

नेपालके अन्तरिम संविधान-२०६३ के धारा १५९(१) नेपाल एक सङ्घीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक राज्य रहुउइया बा कैहके घोषणा कैले बा लेकिन ओम्ने नेपालके सङ्घीयताके प्रकृति, संरचना ओ यकर अन्तर्गत व्यवस्था कैजैना निकायन्के बारेम विस्तृत रूपमे उल्लेख नै कै गैल हो । संविधानसभा यी सक्कु बातसम्बन्धी निर्णय कैके लावा संविधानमे समावेश करुइया बा ।

सङ्घीयता निम्नलिखित उद्देश्यसहितके एकठो राजनैतिक प्रणाली हो :

» राज्यहे समावेशी बनैना,

» सरकारहे जन्तन्के लग्गे पुगैना ।

विश्वके २५ से फेन धेर मुलुकमे विविध प्रकृतिके सङ्घीय प्रणाली अस्तित्वमे बा । मेरमेरके महाद्वीपके मेरमेरके छोट ओ बर देशमे यी प्रणाली अङ्गीकार कैलक पाजाइठ ।[१]

सङ्घीयतासे किल राज्य समावेशी हुइलक वा सरकार जन्तन्के लग्गे हुइलक प्रत्याभूति करे नै सेक्जाई कना बात बुझ्ना भर महत्वपूर्ण बा । राज्यके संरचना चाहे जैसिन हुइलेसे फेन यी लक्ष्यहे हासिल करक लग मानव अधिकार ओ सुशासनप्रति सम्मान करजाइठ ।

अपने मेरके सङ्घीयता अपनाइक लग नेपालहे सहयोग पुगैना छलफलहे सुसूचित कैना उद्देश्य सहितके यी परिचयात्मक पुस्तिकामे मननीय आधारभूत विकल्पके उपर फेन प्रकाश पारगैल बा ।

परिचय

नेपाल सङ्घीयता प्रणाली अपनैना निर्णय कै सेक्ले बा।। ओहेसे संविधानसभा नेपालके लाग कैसिन सङ्घीयता ठिक हुइ कना बारे छलफल कैके निर्णय करे पर्ना बा । इहे सन्दर्भमे विगतमे हासिल कैगैलक ज्ञान ओ अन्य सङ्घीय प्रणालीके अनुभवसे उपयोगी मार्गदर्शन प्राप्त करे सेक्जाई ।[२]

---

१ अर्जेन्टिना, अस्ट्रेलिया, अस्ट्रिया, बेल्जियम, बोस्निया ओ हर्जगोभिना, ब्राजिल, क्यानाडा, कमोरोस, इथियोपिया, जर्मनी, भारत, मलेसिया, मेक्सिको, माइक्रोनेसिया, नाइजेरिया, पाकिस्तान, रुस, सेन्ट किट्स ओ नेभिस, स्विट्जरल्याण्ड, युनाइटेड अरब इमिरेट्स, संयुक्त राज्य अमेरिका ओ भेनेजुयला । कुछ देश (दक्षिण अफ्रिका ओ सुडान) मे सङ्घीय प्रणाली हुइले पर फेन गोतगात कारणसे ओइने यी शब्दावली प्रयोग भर नै कैठाँ । अन्य आउर देश (इराक ओ सुडान) सङ्घीय प्रणालीमे रूपान्तरित हुइना प्रक्रियामे बटाँ ।

२ सङ्घीयतासम्बन्धी प्रख्यात लेखक जर्ज एन्डरसनके किताब 'Federalism: An Introduction' (Oxford University Press, 2008) के नेपाली अनुवाद 'सङ्घीयता : एक परिचय' संयुक्त राष्ट्रसङ्घीय विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी)से प्रकाशित कैगैल बा । अनुरोध कैलेसे उ किताब उपलब्ध हुइसेकठ ।

सङ्घीय राज्यमे सार्वभौमसत्ता ओ विधायिकी शक्ति **संवैधानिक रूपमे** केन्द्रीय/सङ्घीय प्रशासकीय निकाय ओ देशके निश्चित क्षेत्र ओगट्ना सङ्घीय राजनैतिक एकाइबीच बाँडफाँड कैगैल रही ।

ओइन्के अस्तित्व सङ्घीय संविधानसे तय कैगैल रहठ । उ सङ्घीय एकाइ राज्य, क्षेत्र वा प्रान्तहस मेरमेरके नाउँसे चिन्जाइठ । ओइने चाहे जौन नाउँसे चिन्हगैलेसे फेन ओकरे आधारमे विकेन्द्रीकरणके स्तर निर्धारण भर नै हुइठ, यकर निर्धारण संविधानमे जो हुइना आवश्यक बा ।

सङ्घीय राज्यम् शक्ति बाँटक लग बह्रिया प्रणाली एकठो किल नै हो । धेर सङ्घीय राज्यमे साझा रूपमे पैना विशेषता भर धेर बा । केन्द्रीकृत सङ्घमे राज्य वा प्रान्तीय सरकारके शक्ति तुलनात्मक रूपमे साँकिर रहठ कलेसे विकेन्द्रीकृत सङ्घमे तरका तहके एकाइके अधिकार चाकल रहठ । सङ्घीयता एकात्मक राज्य प्रणालीसे फरक रहठ ओ यी प्रणालीमे उप-राष्ट्रिय संस्था केन्द्रीय सरकारसे अधिकार प्राप्त कलक ओर्से ओइने केन्द्रके मातहतमे रहठाँ । धेरहस सङ्घमे सङ्घीय एकाइ पूरा रूपले सार्वभौम नै रहठ ओ सङ्घसे कानुनी रूपले अलग फेन नै हुई सेकठ ।

सहकार्यके महत्व

सङ्घीय संरचना कलक साझा सरकारयुक्त प्रणाली हो । यी प्रणालीके सफलता इहीहे व्याख्या कैना **नियमके स्पष्टता** ओ धेर साझेदारबीच **सहमतिके स्तर**मे निर्भर रहठ । विद्यमान केन्द्रीय ओ स्थानीय सरकार, राज्यके अन्य निकाय, राजनैतिक दल ओ सामाजिक/जातीय समूहके साथे वृहत्तर रूपमे सर्वसाधारणहे सहमतिमे समेटल हुइपरठ ।

संविधान सरकारके मेरमेरके तहके **काम ओ अधिकारके** प्रत्याभूति करठ । संविधान संशोधनबिना ओम्ने कौनो परिवर्तन सम्भव नैरहठ ।

सामान्यतया, कौनो निश्चित क्षेत्रमे संविधान अधिकार डेलक अवस्थामे संविधान तरका निकायउपर सङ्घीय संस्था ओ सङ्घीय कानुनके सर्वोच्चता हुउइया बा कना बात स्पष्ट रूपमे उल्लेख करठ । ऊ सर्वोच्चताहे सङ्घीय एकाइके अधिकार ओ स्रोतके स्तरके प्रत्याभूतिसँगे सन्तुलित कैगैल रहठ ओ इहीहे संविधान संशोधन कैके किल परिवर्तन करे सेक्जाइठ । कुछ देशमे सङ्घीय एकाइ अपन संविधान अङ्गीकार कैले रहठ ओ ऊ संविधान ऊ एकाइके संस्थाके कार्यसञ्चालनहे नियमन कर्ना ओ सङ्घीय संविधानसे देगैलक अधिकारहे पूरा बनैना काम कर्टी रहठ ।

सङ्घीय तह ओ तरका तहबीच अधिकार बाँडफाँडसम्बन्धी विषय मुख्यतया राष्ट्रके विधायिकी ओ प्रशासनिक कामसे सम्बन्धित रहठ । सङ्घीय एकाइके सरकार सङ्घके लग वा ओकर तरफसे काम

सञ्चालन कर्ती सङ्घीय कानुन कार्यान्वयन कर्ती रहठ। सक्कु क्षेत्रक स्थानीय तहमे सङ्घके अपन कार्यान्वयनकारी संरचना नै हुइना हुईलक ओरसे अइसिन कैगैलक हो।

विशेषकैके राष्ट्रिय मौद्रिक नीति, राष्ट्रिय सुरक्षा, परराष्ट्र नीति, अन्तर्राष्ट्रिय व्यापार, अन्तर्राष्ट्रिय सन्धिके अनुमोदन ओ राष्ट्रिय तहके पूर्वाधारसम्बन्धी योजना निर्माण एवं विकाससे सम्बन्धित मामिला केन्द्रीय सरकारके कानुनी अधिकारभित्तर परठ। आधारभूत शिक्षा ओ स्वास्थ्य सेवा, कृषि, वातावरणीय संरक्षण, स्थानीय निर्वाचन, स्थानीय सुरक्षा ओ स्थानीय कर सङ्कलन सामान्यतया सङ्घीय एकाइके सरकारके कानुनी अधिकार ओ/वा प्रशासन अन्तर्गत परठ।

कबु कबु सङ्घीय सरकार निश्चित मापदण्ड तय कैले रहठ। तरका तहके सरकार शिक्षा वा स्वास्थ्य वा अन्य विषयसम्बन्धी आपन नीति तर्जुमे कैना क्रममे उ मापदण्ड पालन करक पर्नाहुइठ।

कबु कबु, कानुन बनैना लावा क्षेत्र देखापरठ ओ ओकरबारेम् संविधानमे प्रष्ट रूपमे उल्लेख नै हुइल रहठ। ओइसिन विषयमे कौन तहके सरकार कानुन बनैना हो कहना संविधानमे जो किटान हुइपरठ। कानुनी भाषामे इही **अवशिष्ट अधिकार (Residual Power)** कैहजाइठ। कुछ देशमे संविधान अवशिष्ट अधिकार केन्द्रीय सरकारहे डेले रहठ कलेसे कुछ देशके संविधान ऐसिन अवशिष्ट अधिकार स्थानीय (तरक) एकाइहे डेलेरहठ।

विवाद समाधान

सङ्घसे सिर्जित एकाइके अधिकारभित्तर कानुन बनैना काम परठ वा नैपरठ कना विषयमे प्रत्येक सङ्घीय राज्यमे विवाद उब्जलरहठ। बहुटसे देशमे **संवैधानिक अदालत** ऐसिन विवाद समाधान करठ। आउर देशमे ऐसिन विवाद समाधान कैना जिम्मेवारी सर्वोच्च अदालतके कार्यक्षेत्रमे परठ। सङ्घीय प्रणालीके सञ्चालनके लाग सक्कु सरकार अदालतके निर्णय स्वीकरहीपरठ।

सङ्घीय राज्यके राजनैतिक अर्थतन्त्र

संविधानसे निर्दिष्ट काम प्रभावकारी रूपमे कार्यान्वयन करक लाग केन्द्रीय ओ स्थानीय तहके एकाइहे समानुपातिक रूपमे स्रोतसाधन विनियोजन करेपरठ कहना पूर्वज्ञान सामान्यत: सङ्घीय संविधानहे रहठ। सङ्घीय एकाइके करसम्बन्धी स्वायत्तताके नियमन मेरमेरके ढाँचामे कैल रहठ। विभिन्न सङ्घीय एकाइबीचके सामाजिक ओ आर्थिक विकासके स्तर उल्लेख्य रूपमे छुट्टे हुइना

ओरसे देशभर समतामूलक आर्थिक ओ सामाजिक विकास सम्भव बनाइक लाग बहुटसे देश **वित्तीय सङ्घीयता वा वित्तीय विकेन्द्रीकरण**के व्यवस्था कैले रहठाँ ।

मेरमेरके सङ्घीय ढाँचामे सरकारके मेरमेरके तहबीच हुइना स्रोत विनियोजन उल्लेख्य रूपमे फरक हुइसेकठ ।

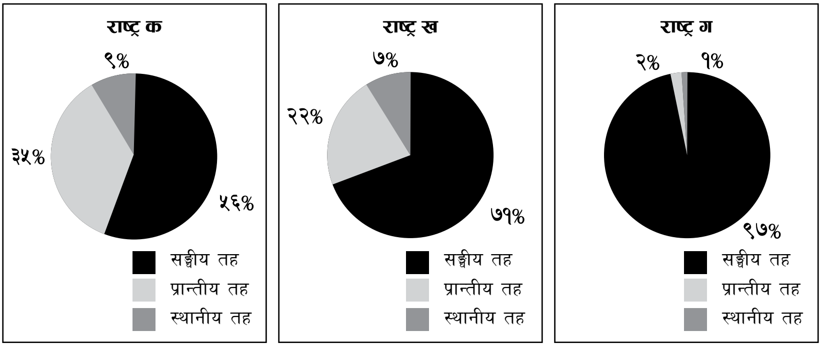

चित्र १ : उपकेन्द्रीय सरकारके कर स्वायत्तता - तीनठो सङ्घीय राष्ट्रमे कुल कर राजस्वके प्रतिशतके रूपमे उपकेन्द्रीय तहमे उठ्लक कर राजस्वके प्रतिशत (सन् २००२) : सङ्घीय तह (गाह्रा करिया भाग); राज्य/क्षेत्र/प्रान्तीय तह (हल्का रङ्ग); स्थानीय तह ।

सङ्घीय प्रणालीके स्थापना

कबु कबु बहुजातीय, बहुभाषिक ओ बहुसांस्कृतिक देशमे विविधताहे स्वीकर्नाके साथे राष्ट्रिय पहिचान निर्माणके लाग सङ्घीयता अपनाइल पाजाइठ । कौनो देश आपन क्षेत्रीय पहिचानयुक्त समुदायहे सशक्तीकरण करक लाग ओ विविधता वा समावेशिताके लाग ठाँउ सिर्जना कैनासन्दर्भमे सङ्घीयता अक्केठो किल उपाय भर नैहो । आकुर उपाय शैक्षिक नीति, आर्थिक विकास, भाषिक नीति, सांस्कृतिक कार्यक्रम, निर्वाचन प्रणालीमे प्रावधान, आरक्षण, सकारात्मक विभेद आदि हुइसेकठ । सङ्घीय प्रणाली किल राज्यहे समावेशी बनाइठ कहना जरुरी नैहो ।

नेपालमे संविधानसभाके चुनाव करैना ओ अन्तरिम संविधान-२०६३ पारित करैनासमके क्रियाकलाप **सरकारहे जन्तन्के लग्गे पुगैना** चाहनासे आंशिक रूपमे उत्प्रेरित रहे । यकर ओरसे अपनहे निर्वाचित करैना जन्तन्प्रति धेर उत्तरदायी हुइना, **सीमान्तीकृत समूहनहे** सशक्तीकरण कर्ना ओ सार्वजनिक मामिलामे **वृहत्तर विविधता** सिर्जना करक लग सरकारी अधिकारीन्हे सहयोग पुगेसेकठ ।

नेपालके सङ्घीय संरचनाके लग तरका तहके एकाइके व्याख्या कैना क्रममे संविधान मस्यौदाकारहुक्रे धेर पक्षमे ध्यान पुगाईपर्ना रहठ । ओइने जात, भाषा ओ जातिगत समूह, **जनसाङ्ख्यिकी, भौगोलिक ओ सामाजिक-आर्थिक विषयके राजनैतिक/ऐतिहासिक सन्दर्भ ओ प्राकृतिक स्रोतउपर ध्यान पुगाईक पर्ना रहठ ।**

मेर मेरके सङ्घीय देशमे सङ्घीय एकाइके **आकार, सङ्ख्या ओ अनुपात** मेर मेरके रहठ । संविधानसे निर्धारित जिम्मेवारी कार्यान्वयन करक लग तरका तहके एकाइक्ठेन पर्याप्त स्रोतसाधन हुइक परठ । सम्पूर्ण सङ्घीय राज्य **धिरे धिरे सङ्घीय एकाइके सङ्ख्या ओ आकार** ओ सरकारके विभिन्न तहबीचके सम्बन्धमे परिवर्तन हुइलक अनुभव कर्ठा । बुद्धिमत्तापूर्वक बनैलक सङ्घीय प्रणाली समग्र प्रणालीभित्तर कुछ हदसमके लचकता ओ व्यवस्थित परिवर्तनहे स्वीकरले रहठ ।

नेपालमे सङ्घीयता

शताब्दियौँसे नेपालमे **एकात्मक ओ केन्द्रीकृत शासन** पद्धति बा । अभिनसम राष्ट्रके आधारभूत संरचनामे उल्लेख्य परिवर्तन कैनाओर प्रजातान्त्रीकरण प्रक्रिया अग्रसर नै हुइलक देखजाइठ । सङ्घीय संरचना अवलम्बन ओ परम्परासे सारभूत रूपमे फरक डगर लेना देखजाइठ ।

केन्द्रीय सरकार परम्परागत रूपमे देशभरके एकठो एकाइके रूपमे शासन कर्टी आइल रहे । देशहे **विकास क्षेत्र, अञ्चल ओ जिल्ला**मे विभाजन कैगैलक हुइलेसे फेन उ सक्कु केन्द्रीय सरकारके एकलौटी अधिकारभित्तर बा । उ एकाइ स्वतन्त्र वा स्वायत्त हैसियत नै ढैठाँ । क्षेत्र ओ अञ्चल स्तरके निर्वाचन नै हुइठ । स्थानीय निकायहे कानुनी हैसियतप्राप्त निकायके रूपमे बनागैलेसे फेन ओइनके अपने कौनो अधिकार नै हुइन् । उ निकायन्हे केन्द्रसे अधिकार प्रत्यायोजन करजाइठ । ऊ अधिकार कौनो संवैधानिक प्रत्याभूतिके आधारमे उ निकाय निहित नैरहठ । केन्द्रीय सरकार क्षेत्र, अञ्चल ओ जिल्लाके अधिकार बह्रैना, घटैना वा खारेज करेसेकठ ।

संविधानसभा सम्बोधन करे पर्ना कुछ विषय

- सङ्घीय एकाइके अधिकार ओ जिम्मेवारीहे परिभाषित करे पर्ना;
- संवैधानिक जिम्मेवारी निर्वाहके लग आवश्यक स्रोतसाधन प्रत्येक एकाइसे हुइलक सुनिश्चित करे पर्ना;
- देशके सक्कु जन्तन्के आधारभूत मानव अधिकार, स्वतन्त्रता ओ सुरक्षाके प्रत्याभूति ओ संरक्षण करे सेक्ना सङ्घीय संरचना बनाईपर्ना;
- नेपालके विविधतायुक्त सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमिके आधारमे सङ्घीय संरचना बनाईपर्ना;

- सङ्घीय तह ओ तरक एकाइ दुनुमे सीमान्तीकृत समुदायके समावेशीकरणहे प्रवर्द्धन कैना सङ्घीय संरचना बनाईपर्ना;
- आदिवासी जनजाति, मधेशी, दलित ओ (महिलन्) जन्नीन् के अधिकारके प्रत्याभूति हुईपर्ना;
- अल्पसङ्ख्यक आदिवासी जनजाति समूह ('अल्पसङ्ख्यकभित्तरके अल्पसङ्ख्यक') के अधिकारहे संरक्षण करहीपर्ना;
- सङ्घीय संरचनामे सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनके लग सहि नमुनकबारेम् निर्णय करेपर्ना;
- राष्ट्रिय स्तरमे सङ्घीय एकाइके दृष्टिकोणके प्रतिनिधित्व करैना सङ्घीय विधायिकामे उपरक सदनसहितके दुई सदनात्मक प्रणाली स्थापना कैना बारेम विचार करहीपर्ना;
- संवैधानिक विवाद निरूपण कैना स्वतन्त्र, सक्षम ओ प्रभावकारी न्यायिक संयन्त्र स्थापना करहीपर्ना;
- अन्तर-सरकारी सम्बन्ध, ओइनके कार्यान्वयनसम्बन्धी प्रक्रिया ओ अन्तर-निकाय अङ्गमे सहयोग पुगैना तरिकाबारे विचार करेपर्ना ।

आधारभूत संवैधानिक विकल्प

सङ्घीय संरचनक् कुछ आधारभूत विकल्प यहाँ प्रस्तुत कैगैल बा लेकिन ऊ न विस्तृत बा न ते एक डोसरसे फरक बा । नेपाल अन्त्यमे सक्कु सान्दर्भिक विषयवस्तुहे ध्यानमे ढैना एकठो मिश्रित प्रणाली अवलम्बन करेपर्ना बा ।

सङ्घीय प्रणाली समयसँगसँगे परिपक्व हुइटी जाइठ । नेपाल सङ्घीय परम्पराके कौनो अनुभव नै कैले हो ओ यी अभिन लोकतान्त्रिक शासन प्रणालीके लग क्षमता विकास कैना क्रममे बा । ओहेसे सङ्घीय संरचना अवलम्बन कैसेक्लेसे समाधान करे पर्ना धेर मुद्दा स्वाभाविक रूपम आगे आई । प्रारम्भिक चरणमे मेर मेरके विषयसम्बन्धी निर्णय प्रक्रिया ओ कार्यान्वयन प्रक्रियामे देखापरे सेक्ना समस्याके पूर्वानुमान करेपरठ । ओस्टक नन्हे, आर्थिक स्रोत ओ विकासके अवसरमे असमानता, जातीय अधिकार मँगटी रहलक समूहबीचके असमझदारी, विभाजन ओ विखण्डनके आवाज (बोल) प्रमुख चुनौती हुइसेकठ ।

सङ्घीय प्रणालीके सफल सञ्चालनके आधार लोकतन्त्र, विधिके शासन ओ मानव अधिकार हो कना बात बुझ्ना सक्कुहुनके लग महत्वपूर्ण बा ।

क) शक्ति बाँडफाँडसम्बन्धी मुद्दा

विकल्प	सबल पक्ष/लाभ	चुनौती
१) सशक्त केन्द्रीय सरकार	» सहजिल निर्णय प्रक्रिया » केन्द्र सक्कु निकायहे समान व्यवहार/संरक्षण प्रदान करेसेक्ना, » निकायहे निरन्तर केन्द्रीय सहयोग, » विकास क्रियाकलापके आवश्यकता अनुसार अभिन धेर शक्ति निक्षेपणके सम्भावना, » विखण्डनविरूद्ध संरक्षण।	» केन्द्रीय सरकारसे हस्तक्षेपके सम्भावनाले एकाइ त्रसित हुइसेकठ, » पहिचानके अतृप्त आकाङ्क्षाके कारण समुदायबीच लावा तनाव सिर्जना हुइसेकठ, » सरकार जनतासे दूरे रहना बात निरन्तरता पाई सेकठ।
२) सशक्त तरका तहके सरकार	» पहिचानसम्बन्धी आकाङ्क्षा पूरा हुइना, » अपन मतदातन्प्रति स्थानीय सरकारके बह्रटी रहलक उत्तर दायित्व, » सरकार जनतासे ढेर लग्गे।	» स्थानीय आभिजात्य वर्गके उदयसे एकाइमे रहलक अल्पसङ्ख्यक जोखिममे परेसेक्ठाँ, » क्षेत्र/प्रान्तमे कानुन/मापदण्डके असमान कार्यान्वयन।
३) सहयोगात्मक सङ्घीयता	» केन्द्र ओ एकाइ सरकारबीच बलगर पारस्परिक सहकार्य, » संयुक्त आयोजना वा विकास प्रक्रियाहे आगे बह्रैना सम्भावना, » केन्द्रके निरन्तर सहयोग।	» केन्द्रीय सरकारके शक्ति बह्रैटी लैजैना आकाङ्क्षा, » परनिर्भरता बह्रना सम्भावना।
४) तरका तहके एकाइहे समान अधिकार	» समान स्तरमे स्वशासन ओ स्वायत्तताके अधिकार, » ऐतिहासिक वा सामाजिक पृष्ठभूमिके आधारमे कौनो फेन एकाइहे भेदभाव नै कैना, » समानताके आधार।	» आर्थिक ओ सामाजिक स्थिति कमजोर हुइलक अविकसित दुर्गम क्षेत्रमे अभिन धेर बोझ परेसेकठ।
५) तरका तहके एकाइहे विविध अधिकार	» एकाइहे ओइनके स्थिति, आवश्यकता ओ सहमतिके आधारमे शक्ति निक्षेपीकरण वा बाँडफाँड, » योग्यता ओ क्षमताके कदर।	» केन्द्रीय सरकार एकदम बल्गर हुइटी जैना सम्भावना, » राजनीतिक शक्ति कम हुइलक प्रान्त केन्द्रसे समान स्तरमे वार्ता करे नै सेक्ना।

ख) जाति, भूगोल ओ स्रोतसाधनसम्बन्धी मुद्दा

विकल्प	सबल पक्ष/लाभ	चुनौती
१) जाति, भाषा, धर्म, संस्कृति वा पहिचानमे आधारित सङ्घीयता	» सक्कु जातजाति, भाषा, धर्म ओ संस्कृतिके पहिचानप्रति सम्मान, » अल्पसङ्ख्यकहे बहिष्कृत वा सीमान्तीकृत नै कैजैना, » स्थानीय स्रोतसाधनउपर स्थानीय जनताके अधिकार ।	» साम्प्रदायिक विरोध हुइना सम्भावना, » पृथकताके मागसँगे राष्ट्र विखण्डन हुई सेक्ना खतरा, » एकाइभित्तरके अल्पसङ्ख्यकन् बीच असन्तुष्टिके सम्भावना ।
२) भौगोलिक निश्चितता, आर्थिक विकासके सम्भाव्यता ओ प्राकृतिक स्रोतके वितरणमे आधारित	» स्थानीय स्रोतउपर स्थानीय जन्तन्के अधिकार धेर सुनिश्चित हुईसेक्ना, » आर्थिक विकासके धेर सम्भावना, » विद्यमान संरचनाके निरन्तरता ।	» एकाइबीच स्रोतसाधनके विद्यमान अन्तरसे असमानता अभिन मौलाईसेक्ना, » अल्पसङ्ख्यक बहिस्कृत वा सीमान्तीकृत हुइना सम्भावना, » जातीय/भाषिक पहिचानके मुद्दाहे सम्बोधन करे नैसेक्जैना ।
३) विकल्प (१) ओ (२) के संयोजन	» जातीय ओ अपन पहिचानहे मुद्दा बनैलक समुदायके आकाङ्क्षा ओ सामाजिक-आर्थिक यथार्थ ओ सीमाबीच सन्तुलनमे ढैना ।	» कौनो फेन समुदायहे नै अल्वाके वा कौनो अव्यावहारिक राज्य संरचना नै बनाके जो उचित सन्तुलन खोज्ना ।

पोष्टक-शृङ्खलक बारेम

संविधानसभक् सदस्य तथा इच्छुक सर्बसाधारणहे संविधान निर्माण प्रक्रियासम्बन्धी आधारभूत जानकारी उपलब्ध करैना जो यी पोष्टा-शृङ्लाके उद्देश्य हुइस । यी प्रकाशन संवैधानिक परिणामबारे कौनो फेन मेरसे पूर्वानुमान कैना अवधारणापत्र वा प्रस्ताव वा मनसाय नै हो । यी शृङ्खला संयुक्त राष्ट्रसंघीय बिकास कार्यक्रम (यूएनडिपी) के 'नेपालमे सहभागितामूलक संविधान निर्माणके लग सहयोग' (एसपीसीबीएन) परियोजनाके समन्वयमे नेपाली ओ अन्तर्राष्ट्रिय संबिधानविदन्के सामूहिक प्रयासके प्रतिफल हो ।

यी पोष्टाहे अभिन परिस्कृत बनाइक लग प्रतिक्रिया ओ टिप्पणीके लग विशेष अनुरोध बा । धेर से धेर सुसूचित, प्रतिबद्ध ओ रचनात्मक छलफलहे प्रोत्साहित कर्ना यी प्रकाशन सफल हुइलेसे किल अपेक्षित उद्देश्य हासिल हुई । मिल्लक टिप्पणीके आधारमे यी पोष्टाके लावा ओ फादिल संस्करण तयार करे सेक्जाई ।

यी शृङ्खलाहे नेपालके कुछ मुख्य राष्ट्रभाषामे उल्था कैना क्रममे उच्च गुणस्तर कायम कैना ओ सम्बन्धित भाषक् बहुसंख्यक मनै बुझ्ना सही शब्द प्रयोग कैना हरसम्भव प्रयास कै गैल बा । शब्दावलीके उपयुक्त ओ सही प्रयोगबारे मेरमेरके भाषिक समुदायन्के बिच भविष्यमे छलफल ओ बहस हुइना अपेक्षा करे सेक्जाई । संवैधानिक संवाद केन्द्रके उद्देश्य ओइसिन बहसहे कौनो फेन मेरके छाँहीम नै पर्ना कि उ भाषाहे फेन समाबेश कैके यी प्रयासमे समावेश कैके ओ पहुँचके अधिकतम बृद्धि कैना हो ।

देशमे संविधान निर्माणसँगे सान्दर्भिक बिषयबस्तुबारेम संवैधानिक संवाद केन्द्रक तयार करे जैटी रलक शृङ्खलाबद्ध पाठ्यसामग्रीके एकठो अंश यी पोष्टा हो ।

सभासदन्से लेके यी बिषयबस्तुमे चासो ढैना सर्वसाधारणहे प्रमुख संबैधानिक अवधारणा ओ मुद्दामे सामिल करैना यी शृङ्खलाबद्ध प्रकाशनके उद्देश्य हो । शृंखला अन्तरगतके प्रत्येक पोष्टा नेपालमे बोल्ना मुख्य भाषा (नेपाली, भोजपुरी, थारु, मगर, तामाङ, नेवार) ओ अंग्रेजी भाषामे उपलब्ध बा । यी पाठ्सामग्रीक श्रब्य संस्करण (क्यासेट, डीभीडी) फेन उपलब्ध बा ओ इहीहे अनलाइनमे फेन ढै गैल बा ।

पहिला चरणमे यी प्रकाशन शृंखलामे समेटगैल बिषयबस्तु यी मेरके बा : राज्य ओ धर्म, संघीय प्रणाली, संबिधानमे मानव अधिकार, आदिवासी जनजातिन्के अधिकार, अल्पसंख्यकके अधिकार, सरकारके प्रणाली, स्वतन्त्र न्यायपालिका, स्थानीय स्वशासन, विविधता ओ सामाजिक समावेशीकरण ओ सहभागितामूलक संविधान निर्माण प्रक्रिया ।

संवैधानिक संवाद केन्द्र
तेस्रा तल्ला, अल्फा बेटा कम्प्लेक्स, नयाँ बानेश्वर, काठमाण्डौं
टेलिफोन नं. ९७७-१-४७८५४६६/४७८५४८६/४७८५९९८
ई-मेल : **info@ccd.org.np**
वेबसाइट : **www.ccd.org.np**